

माइनगि, ऑयल और गैस कॉन्क्लेव

चर्चा में क्यों?

3 अगस्त, 2022 को राजस्थान के जयपुर ज़िले के होटल मैरियट में एकदिवसीय माइनगि, ऑयल एवं गैस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।

प्रमुख बटु

- इस कॉन्क्लेव का उद्घाटन राजस्थान के खान मंत्री प्रमोद जैन भाया ने किया। उन्होंने कहा कि विगत साढ़े तीन साल में प्रदेश में माइनगि सेक्टर में तेज़ी से काम हुआ है और खनजि खोज, नए प्रधान एवं अप्रधान खनजिों के प्लॉट विकसित कर नीलामी करने से लेकर राजस्व अर्जन तक उपलब्धियों का कीर्तमान बनाया गया है।
- इस कॉन्क्लेव में 'हाइड्रोकार्बन सनिरियो- अवसर एवं चुनौतियाँ' सत्र में पैनल डिस्कशन में भारत एवं राजस्थान में हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र और राजस्थान स्थिति बाइमेर रफाइनरी का प्रदेश के विकास में योगदान एवं पेट्रोकेमिकल के क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे विकास पर मंथन किया गया। इस सत्र में देश व प्रदेश के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सनिरियो एवं भावी संभावनाओं पर चर्चा की गई।
- एक अन्य सत्र में ट्रेड्स एंड आइडियाज इन माइंस एंड मिनरल सेक्टर पर भारत और राजस्थान की खनजि संपदा एवं सामाजिक तथा आर्थिक विकास में योगदान पर चर्चा हुई। इसके साथ ही तकनीक और नवाचारों से इस क्षेत्र में सस्टेनेबल माइनगि द्वारा बेस्ट आउटकम पर मंथन किया गया।
- कॉन्क्लेव के सीमलेस गैस ड्रिस्ट्रीब्यूशन एंड पाइपलाइन नेटवर्क सत्र में सटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क (सीजीडी) विकसित करने के प्रयासों के साथ ही भूमिगत गैस पाइपलाइन डालने, प्रेशर रेगुलेशन स्टेशन और सीएनजी स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श हुआ।
- खान मंत्री ने कहा कि प्रदेश की नई खनजि नीति अधिक अग्रगामी, माइनगि सेक्टर को तेज़ी से प्रमोट करने वाली और समाज के सभी वर्गों को माइनगि से जोड़ने वाली होगी। नई खनजि नीति में एससी, एसटी, महिलाओं, विशेष योग्यजन, बेरोज़गार टेक्नोक्रेट युवाओं आदि के लिये माइनगि आवंटन प्रक्रिया में आरक्षण होगा।
- राज्य में माइनगि सेक्टर से आमनागरिकों को जोड़ने के प्रावधान किये जा रहे हैं। प्रधान और अप्रधान खनजि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिये ही पहली बार राजस्थान को द्वितीय पुरस्कार और तीन करोड़ 80 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया है।
- खनजि खोज कार्य को गति देने के लिये आरएसएमईटी का गठन, बजरी के विकल्प के रूप में एम सैंड नीति लागू कर सरकारी निर्माण कार्य में 25 प्रतिशत एम सैंड के उपयोग, सलिकोसिस नीति आदि लागू कर कार्यों को गति दी जा रही है।
- राजस्थान में तेल और गैस सेक्टर की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि चार बेसिनों में विभाजित 14 ज़िलों में प्रचुर मात्रा में ऑयल व गैस की 11 लीज़ स्वीकृत हैं। प्रदेश में एक लाख 9 हजार बैरल खनजि तेल का उत्पादन हो रहा है।
- एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि खनजि भंडार की दृष्टि से राजस्थान यूनिक् प्रदेश बन गया है। यहाँ लेड, जकि, बोलेस्टाइन, कॉपर, यूरेनियम, पोटेश, लाइमस्टोन, आयरन ओर, मैंगनीज़, गारनेट, जपिसम, मार्बल, सैंड स्टोन आदि के विपुल भंडार हैं। यूरेनियम खोज के साथ ही राजस्थान विश्वपटल पर आ गया है, प्रचुर मात्रा में पोटेश के भंडार मलि हैं, आयरन ओर के जयपुर ज़िले के बागावास ब्लॉक की नीलामी देश में सर्वाधिक 452 प्रतिशत प्रीमियम पर हुई है।
- डॉ. अग्रवाल ने बताया कि ऑयल और गैस के कारण पश्चिम राजस्थान में रिव्यूलेशन आ गया है। राज्य में बाइमेर की पर कैंपटा इनकम सबसे अधिक हो गई है। राजस्थान रफाइनरी की विशालता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बुरज खलीफा से 5 गुणा अधिक कंक्रीट और एफलि टॉवर से 40 गुणा अधिक स्टील का उपयोग होगा। आगामी 8 सालों में 96 लाख पाइपलाइन से घरेलू गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने का रोडमैप बनाया गया है।